# योग कोश भाग-२ (फोल्डर नं. ०९६०२९)

## सम्पादक – मोहनलाल बाँठिया, श्रीचन्द चोरड़िया


मुख्य टाइटल
समर्पण
संकलन-सम्पादन में प्रयुक्त ग्रंथों की संकेत-सूची
मूल वर्गों के उपविभाजन का उदाहरण
जैन वाङ्मय का दशमलव वर्गीकरण
०४ जीव परिणाम का वर्गीकरण
आशीर्वचन
Foreword
दो शब्द
प्रकाशकीय
प्रस्तावना
विषय-सूची
सयोगी जीव ---------- १
सयोगी जीव और ज्ञान ---------- १
मनोयोगी और ज्ञान ---------- १
वचनयोगी और ज्ञान ---------- १
काययोगी और ज्ञान ---------- १
अयोगी और ज्ञान ---------- १
अयोगी और ज्ञान ----------२
योग और उपयोग ----------२
योग और केवल ज्ञान ----------२
योग और दर्शन ----------२
योग और जीव समास ----------२
आहारक-आहारक-मिश्रकाययोग और मनःपर्यवज्ञान----------३
योग और मनः पर्ववज्ञान ----------३
शुभ योग भी विविध ज्ञान की समुत्पत्ति में कारण ----------३
शुभ योग से अवधि ज्ञान ---------- ४
शुभ योग से अवधि ज्ञान ---------- ४
शुभ-अशुभ योगी देव का शुभ-अशुभ योगी देव-देवी को जानना-देखना ---------- ४
अनुत्तरौपातिक देव और मनोद्रव्य पुदगलों का ग्रहण---------- ५
सयोगी जीव और बोधि ---------- ५
सयोगी जीव और काल की अपेक्षा सप्रदेश-अप्रदेश ---------- ६
अजोगी जहा अलेस्सा ---------- ६


Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

सयोगी जीव और ज्ञानावरणीयादि कर्म का बंध ---------- ७
सयोगी जीव और त्रिविध बंध ---------- ७
सयोगी जीव और जन्म-मरण----------८
योगस्थान की प्ररुपणा ----------८
प्ररुपणा अनुयोग ----------८
योगस्थान का प्रमाण ---------- ९
योग के अल्पबहुत्व के भेद ---------- ९
जीव समास के आश्रय से योग विभाग प्रतिच्छेद का स्वस्थान अल्पबहुत्व ---------- १०
जीव समास के आश्रय से सर्व परस्थान योगों का अल्पबहुत्व ---------- ११
जधन्य योग स्थान की अपेक्षा उपपाद, एकांतानुवृद्धि तथा परिणाम योग स्थान का
अल्पबहुत्व ---------- ११
अल्पबहुत्व-उत्कृष्ट ---------- १४
जीव समास के आश्रय से योग का परस्थान अल्पबहुत्व ---------- १७
योग और लेश्या ---------- २५
योग और गुणस्थान ---------- २६
कार्मणकाययोग और गुणस्थान---------- २७
आहारककाययोग और गुणस्थान ---------- २८
आहारकमिश्रकाययोग और गुणस्थान ---------- २८
सयोगी गुणस्थान में दो जीव समास ---------- २८
आहारककाययोग और जीव समास ---------- २८
आहारकमिश्रकाययोग और जीव समास ---------- २८
मनोयोग-वचनयोग और गुणस्थान ---------- २९
काययोग और गुणस्थान ---------- २९
वैक्रियकाययोग और गुणस्थान ---------- ३०
योग और गुणस्थान की अपेक्षा पर्याप्त-अपर्याप्त ----------३१
सयोगी केवली के प्रथम समय में चार कर्मों का अवसान ---------- ३२
सयोगी और जीव समास ---------- ३२
योग और पर्याप्त-अपर्याप्त ---------- ३२
कार्मणकाययोग और जीव समास ---------- ३३
वैक्रियकाययोग और जीव समास ---------- ३३
वैक्रियमिश्रकाययोग और जीव समास ---------- ३३
योग और जीव भेद---------- ३३
सयोगी और पर्याप्त-अपर्याप्त अवस्था ---------- ३३
योग और पर्याप्त-अपर्याप्त अवस्था ---------- ३३
सयोगी केवली के अपर्याप्त अवस्था भी होती हैं ---------- ३४

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

सयोगी जीव और द्रव्य ---------- ३४
सयोगी जीव और द्रव्य का ग्रहण ---------- ३५
जीव और अधिकरण योग ---------- ३५
सयोगी जीव और अधिकरणी या अधिकरण ---------- ३६
सयोगी जीव और योग प्राप्त करने की विधि ---------- ३७
जधन्य योग से उत्कृष्ट योग प्राप्त करने की विधि
सयोगी जीव और उत्पत्ति ---------- ३८
योग और कर्मबंध ---------- ३८
सयोगीनारकी तथा अध्यवसाय-योग-करण से आयुष्य बंध ---------- ३९
सयोगी जीव और कर्म क प्रारम्भ और अंत ---------- ३९
सयोगी नारकी और कर्म वेदन का प्रारम्भ और समाप्ति ---------- ४०
सयोगी जीव और ज्ञानावरणीयकर्म के वेदन का प्रारम्भ और समाप्त ---------- ४१
सयोगी जीव और दर्शनावरणीय वेदन का प्रारम्भ और समाप्त ---------- ४१
सयोगी जीव और वेदनीयकर्म का प्रारम्भ और समाप्त ---------- ४१
सयोगी जीव और मोहनीयकर्म का प्रारम्भ और समाप्त ---------- ४१
सयोगी जीव और आयुष्यकर्म का प्रारम्भ और समाप्त ---------- ४१
सयोगी जीव और नामकर्म का प्रारम्भ और समाप्त---------- ४१
सयोगी जीव और गोत्रकर्म का प्रारम्भ और समाप्त ---------- ४१
सयोगी जीव और अंतरायकर्म का प्रारम्भ और समाप्त ---------- ४१
सयोगी अनंतरोपपन्नक नारकी और पाप कर्म का योग ---------- ४१
सयोगी परंपरोपपन्नक नारकी और पाप कर्म का वेदन ---------- ४२
सयोगी जीव और अणाहारिक----------४२
कार्मण काययोगी और अनाहारक---------- ४२
कार्मण काययोगी अनाहारक होते हैं ---------- ४३
सयोगी जीव और आहारादि ---------- ४३
अयोगी जीव अनाहारक होते हैं ---------- ४४
सयोगी जीव और आत्मा की अभिन्नता ---------- ४५
सयोगी जीव की संख्या ---------- ४५
औदारिक काययोग की संख्या ---------- ४५
औदारिकमिश्र काययोग की संख्या ---------- ४५
कार्मण काययोग की संख्या ---------- ४५
योग की संख्या ---------- ४५
आहारककाययोग की संख्या ---------- ४५
आहारकमिश्रकाययोग की संख्या ---------- ४५
अयोगी जीव कौन होते हैं ---------- ४६

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

एक काल में एक योग ---------- ४६
वैक्रिय योग क्रिया तथा आहारक योग क्रिया युगपत नहीं होती हैं ---------- ४६
औदारिक व औदारिकमिश्र काययोग किसके होता हैं ---------- ४७
जीव सयोगी भी होते हैं व अयोगी भी---------- ४७
सयोगी जीव के भेद ---------- ४८
सयोगी जीव का योग की अपेक्षा उत्पत्ति मरण ---------- ४८
योग की अपेक्षा दंडक में उत्पत्ति-मरण के नियम ---------- ४८
सयोगी जीव और आरम्भ,परारंभ,उभयारम्भ व अनारम्भ ---------- ४९
सयोगी जीव और कषाय ---------- ५०
सयोगी नारकी में कषायोपयोग के विकल्प ---------- ५०
सयोगी (काय योगी) पृथ्वीकायिक में कषायोपयोग के विकल्प---------- ५१
सयोगी (काययोगी) अप्कायिक में कषायोपयोग के विकल्प ---------- ५१
सयोगी (काययोगी) अग्निकायिक में कषायोपयोग के विकल्प ---------- ५१
सयोगी (काययोगी) वायुकायिक में कषायोपयोग के विकल्प ---------- ५२
सयोगी (काययोगी) वनस्पतिकायिक में कषायोपयोग के विकल्प ---------- ५२
सयोगी द्वीन्द्रिय (काय योगी-वचन योगी) के कषायोपयोग के विकल्प ---------- ५२
सयोगी त्रीन्द्रिय में कषायोपयोग के विकल्प ---------- ५२
सयोगी चतुरिन्द्रिय में कषायोपयोग के विकल्प ---------- ५२
सयोगी तिर्यंच पंचेन्द्रिय में कषायोपयोग के विकल्प ---------- ५२
सयोगी मनुष्य में कषायोपयोग के विकल्प ---------- ५३
सयोगी भवनपति देव में कषायोपयोग के विकल्प ---------- ५३
सयोगी वामव्यन्तर देव में कषायोपयोग के विकल्प ---------- ५३
सयोगी ज्योतिषी देव में कषायोपयोग के विकल्प ---------- ५४
सयोगी वैमानिक देव में कषायोपयोग के विकल्प ---------- ५४
सयोगी और समुदघात ---------- ५५
सयोगी केवली और समुदघात ---------- ५५
केवली समुदघात के बाद योग की प्रवृत्ति ---------- ५७
योग निरोध और सिद्धि ---------- ५८
मनोयोगी और वचनयोगी का समुदघात क्षेत्र ---------- ७०
काययोगी का समुदघात क्षेत्र ---------- ७१
औदारिककाययोगी का समुदघात क्षेत्र ---------- ७२
वैक्रियकाययोगी का समुदघात क्षेत्र ---------- ७३
वैक्रियमिश्रकाययोगी का समुदघात क्षेत्र ---------- ७४
आहारककाययोगी का समुदघात क्षेत्र ---------- ७५
आहारकमिश्रकाययोगी का समुदघात क्षेत्र ---------- ७६

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

कार्मणकाययोगी का समुदघात क्षेत्र ---------- ७६
सयोगी जीवों का विभाग---------- ७७
सयोगी औधिक जीवों का विभाग ---------- ७७
सयोगी नारकी जीवों का विभाग ----------७९
सयोगी भवनवासियों का विभाग ---------- ८०
सयोगी एकेन्द्रिय का विभाग ----------८१
सयोगी पृथ्वीकायिक का विभाग ----------८१
सयोगी अप्कायिक का विभाग ----------८१
सयोगी तेउकायिक का विभाग ----------८१
सयोगी वायुकायिक का विभाग ----------८१
सयोगी वनस्पतिकायिक का विभाग ----------८१
सयोगी द्वीन्द्रिय का विभाग----------८२
सयोगी त्रीन्द्रिय का विभाग ---------- ८२
सयोगी चतुरिन्द्रिय का विभाग ---------- ८२
सयोगी पंचेन्द्रिय तिर्यंचों का विभाग ---------- ८३
सयोगी मनुष्य का विभाग (एक्क भंग) ---------- ८४
सयोगी मनुष्य के विभाग (युग्म भंग) ---------- ८५
सयोगी मनुष्य के विभाग (त्रिक भंग) ---------- ८७
सयोगी मनुष्य के विभाग (चतुः संयोगी) ---------- ९१
वाणव्यंतर देवों में विभाग से प्रयोग ---------- ९४
ज्योतिषी देवों में विभाग से प्रयोग ---------- ९४
वैमानिक देवों में विभाग से प्रयोग ---------- ९४
सयोगी जीव और नियमा भजना ---------- ९४
मनोयोगी और वचनयोगी जीव की नियमा भजना ---------- ९४
काययोगी जव की नियमा भजना ---------- ९४
औदारिक काययोगी जीव की नियमा भजना ---------- ९४
औदारिकमिश्र काययोगी जीव क नियमा भजना ---------- ९४
वैक्रिय काययोगो जीव की नियमा भजना ---------- ९४
वैक्रियमिश्र काययोगी जीव की नियमा भजना ---------- ९५
आहारक काययोगी जीव की नियमा भजना ---------- ९५
आहारकमिश्र काययोगी जीव की नियमा भजना ---------- ९५
कार्मण कययोगी जीव की नियमा भजना ---------- ९५
सयोगी जीव और समवसरण ---------- ९५
सयोगी नारकी और समवसरण---------- ९५
सयोगी असुरकुमार यावत स्तनितकुमार देव और समवसरण ---------- ९६

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

सयोगी पृथ्वीकायिक जीव और समवसरण ---------- ९६
सयोगी अपकायिक यावत चतुरिन्द्रिय जीव और समवसरण ---------- ९६
सयोगी पंचेन्द्रिय तिर्यंचयोनिक जीव और समवसरण ---------- ९६
सयोगी मनुष्य और समवसरण ---------- ९७
अयोगी मनुष्य और समवसरण ---------- ९७
सयोगी वाणव्यंतर देव और समवसरण ---------- ९७
सयोगी ज्योतिषी देव और समवसरण ---------- ९७
सयोगी वैमानिक देव और समवसरण ---------- ९७
क्रियावादी सयोगी जीव का आयुष्यबंध-समवसरण की अपेक्षा से ---------- ९७
अक्रियावादी,विनयवादी और अज्ञानवादी सयोगी जीव और आयुष्यबंध समवसरण की अपेक्षा से ---------- ९७
अयोगी क्रियावादी जीव का समवसरण की अपेक्षा से आयुष्यबंध ---------- ९८
सयोगी नारकी और अक्रियावादी की अपेक्षा आयुष्यबंध ---------- ९८
सयोगी नारकी और अज्ञानवादी की अपेक्षा आयुष्यबंध ---------- ९८
सयोगी नारकी और विनयवादी की अपेक्षा आयुष्यबंध ---------- ९८
सयोगी नारकी और क्रियावादी की अपेक्षा आयुष्यबंध ---------- ९८
सयोगी असुरकुमार यावत स्तनितकुमार और क्रियावादी की अपेक्षा आयुष्यबंध ---------- ९८
सयोगी असुरकुमार यावत स्तनितकुमार और अक्रियवादी की अपेक्षा आयुष्यबंध ---------- ९९
सयोगी पृथ्वीकायिक और समवसरण की अपेक्षा आयुष्यबंध ---------- ९९
सयोगी अपकायिक जीव और समवसरण की अपेक्षा आयुष्यबंध---------- ९९
सयोगी वनस्पतिकायिक जीव और समवसरण की अपेक्षा आयुष्यबंध ---------- ९९
सयोगी अग्निकायिक जीव और समवसरण में आयुष्यबंध ---------- ९९
सयोगी वायुकायिक जीव और समवसरण में आयुष्यबंध ---------- ९९
सयोगी द्वीन्द्रिय यावत चतुरिन्द्रिय और समवसरण में आयुष्यबंध ---------- १००
सयोगी क्रियावादी पंचेन्द्रियतिर्यंच और आयुष्यबंध ---------- १००
सयोगी अक्रियावादी पंचेन्द्रियतिर्यंच और आयुष्यबंध ---------- १००
सयोगी अज्ञानवादी पंचेन्द्रियतिर्यंच और आयुष्यबंध ---------- १००
सयोगी विनयवादी पंचेन्द्रियतिर्यंच और आयुष्यबंध ---------- १००
सयोगी मनुष्य क्रियावादी और आयुष्यबंध ---------- १००
सयोगी मनुष्य अक्रियावादी और आयुष्यबंध ---------- १०१
सयोगी मनुष्य विनयवादी और आयुष्यबंध ---------- १०१
सयोगी मनुष्य अज्ञानवादी और आयुष्यबंध ---------- १०१
अयोगी क्रियावादी वाणव्यंतर यावत वैमानिकदेव और आयुष्यबंध ---------- १०१
सयोगी क्रियावादी वाणव्यंतर यावत वैमानिकदेव और आयुष्यबंध ---------- १०१
सयोगी अक्रियावादी वाणव्यंतर यावत वैमानिकदेव और आयुष्यबंध ---------- १०१

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

सयोगी जीव का समवसरण और भवसिद्धिक-अभवसिद्धिक ---------- १०१
अयोगी क्रियावादी और भवसिद्धिक-अभवसिद्धिक ---------- १०२
सयोगी नारकी और समवसरण की अपेक्षा भवसिद्धिक-अभवसिद्धिक ---------- १०२
सयोगी असुरकुमार यावत स्तनितकुमार और समवसरण की अपेक्षा भवसिद्धिक-अभवसिद्धिक ----- १०२
सयोगी अक्रियावादी पृथ्वीकायिक और भवसिद्धिक-अभवसिद्धिक ---------- १०२
सयोगी अज्ञानवादी पृथ्वीकायिक और भवसिद्धिक-अभवसिद्धिक ---------- १०२
सयोगी अक्रियावादी अपकायिक यावत वनस्पतिकायिक व भवसिद्धिक-अभवसिद्धिक ---------- १०३
सयोगी अज्ञानवादी अपकायिक यावत वनस्पतिकायिक व भवसिद्धिक-अभवसिद्धिक ---------- १०३
सयोगी द्विन्द्रिय यावत चतुरिन्द्रिय अक्रियावादी और भवसिद्धिक-अभवसिद्धिक ---------- १०३
सयोगी द्विन्द्रिय यावत चतुरिन्द्रिय अज्ञानवादी और भवसिद्धिक-अभवसिद्धिक ---------- १०३
सयोगी तिर्यंचपंचेन्द्रिय और समवसरण की अपेक्षा भवसिद्धिक-अभवसिद्धिक ---------- १०३
सयोगी मनुष्य और समवसरण की अपेक्षा भवसिद्धिक-अभवसिद्धिक ---------- १०३
सयोगी वाणव्यंतरदेव यावत वैमानिकदेव और समवसरण की अपेक्षा भवसिद्धिक-अभवसिद्धिक ----- १०४
सयोगी अनन्तरोपपन्नक नारकी यावत वैमानिकदेव और समवसरण ---------- १०४
सयोगी अनन्तरोपपन्नक नारकी और समवसरण की अपेक्षा आयुष्यबंध ---------- १०४
सयोगी अनंतरोपपन्नक नारकी और समवसरण की अपेक्षा भवसिद्धिक-अभवसिद्धिक ---------- १०५
सयोगी अनंतरोपपन्नक असुरकुमार यावत वैमानिकदेव और समवसरण की अपेक्षा
भवसिद्धिक-अभवसिद्धिक ---------- १०५
सयोगी परंपरोपन्नक नारकी यावत वैमानिक क्रियावादी आदि ---------- १०५
सयोगी परंपरोपपन्नक यावत वैमानिक क्रियावादी आदि और आयुष्यबंध ---------- १०५
सयोगी परंपरोपन्नक यावत वैमानिक क्रियावादी और भवसिद्धिक-अभवसिद्धिक ---------- १०५
अनंतरावगाढ सयोगी नारकी आदि दंडक और समवसरण ---------- १०६
परंपरावगाढ सयोगी नारकी आदि दंडक और समवसरण ---------- १०६
अनंतराहारक सयोगी नारकी आदि दंडक और समवसरण ---------- १०६
परंपराहारक सयोगी नारकी आदि दंडक और समवसरण ---------- १०६
अनंतपर्याप्तक सयोगी नारकी आदि दंडक और समवसरण ---------- १०६
परम्परपर्याप्तक सयोगी नारकी आदि दंडक और समवसरण ---------- १०६
चरम सयोगी नारकी आदि दंडक और समवसरण ---------- १०६
अचरम सयोगी नारकी आदि दंडक और समवसरण ---------- १०६
सयोगी जीव और अल्पबहुत्व ---------- १०७
जीव समास के आश्रय से योग का अल्पबहुत्व ---------- १०७
सूक्ष्म एकेन्द्रिय अपर्याप्तक के अल्पतम योग---------- १०७
बादर एकेन्द्रिय अपर्याप्तक के जधन्य योग असंख्यातगुण---------- १०७
द्वीन्द्रिय अपर्याप्तक के जधन्य योग असंख्यातगुण ---------- १०८
त्रीन्द्रिय अपर्याप्तक के जधन्य योग असंख्यातगुण ---------- १०८

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

चतुरिन्द्रिय अपर्याप्तक के जधन्य योग असंख्यातगुण ---------- १०८
असंज्ञी पंचेन्द्रिय अपर्याप्तक के जधन्य योग असंख्यातगुण ---------- १०९
संज्ञी पंचेन्द्रिय अपर्याप्तक के जधन्य योग असंख्यातगुण ---------- १०९
सूक्ष्म एकेन्द्रिय अपर्याप्तक के उत्कृष्ट योग असंख्यातगुण ---------- १०९
बादर एकेन्द्रिय लब्धपर्याप्तक के उत्कृष्ट योग असंख्यातगुण ---------- ११०
सूक्ष्म एकेन्द्रिय पर्याप्तक के जधन्य योग असंख्यातगुण ---------- ११०
बादर एकेन्द्रिय पर्याप्तक के जधन्य योग असंख्यातगुण ---------- ११०
सूक्ष्म एकेन्द्रिय पर्याप्तक के उत्कृष्ट योग असंख्यातगुण ---------- १११
बादर एकेन्द्रिय पर्याप्तक के उत्कृष्ट योग असंख्यातगुण ---------- १११
द्विन्द्रिय अपर्याप्तक के उत्कृष्ट योग असंख्यातगुण ---------- १११
त्रीन्द्रिय अपर्याप्तक के उत्कृष्ट योग असंख्यातगुण ----------११२
चतुरिन्द्रिय अपर्याप्तक के उत्कृष्ट योग असंख्यातगुण ----------११२
असंज्ञी पंचेन्द्रिय अपर्याप्तक के उत्कृष्ट योग असंख्यातगुण ----------११२
संज्ञी पंचेन्द्रिय अपर्याप्तक के उत्कृष्ट योग असंख्यातगुण----------११२
द्विन्द्रिय पर्याप्त के जधन्य योग असंख्यातगुण ----------११३
त्रीन्द्रिय पर्याप्तक के जधन्य योग असंख्यातगुण----------११३
चतुरिन्द्रिय पर्याप्तक के जधन्य योग असंख्यातगुण ----------११३
असंज्ञी पंचेन्द्रिय पर्याप्तक के जधन्य योग असंख्यातगुण ----------११३
संज्ञी पंचेन्द्रिय पर्याप्तक के जधन्य योग असंख्यातगुण ---------- ११४
द्विन्द्रिय पर्याप्तक के उत्कृष्ट योग असंख्यातगुण ---------- ११४
त्रीन्द्रिय पर्याप्तक के उत्कृष्ट योग असंख्यातगुण ---------- ११४
चतुरिन्द्रिय पर्याप्क के उत्कृष्ट योग असंख्यातगुण ---------- ११४
असंज्ञी पंचेन्द्रिय पर्याप्तक के उत्कृष्ट योग असंख्यातगुण---------- ११४
संज्ञी पंचेन्द्रिय पर्याप्तक के उत्कृष्ट योग असंख्यातगुण ---------- ११५
उपर्युक्त असंख्यातगुण प्रमाण ---------- ११५
सयोगी जीवों का अल्पबहुत्व ---------- ११५
सयोगी जीव और अल्पबहुत्व ----------११८
सयोगी जीवों का अल्पबहुत्व ----------११८
सयोगी और अल्पबहुत्व ---------- १२०
काययोग का अल्पबहुत्व ---------- १२३
पन्द्रह योगों का अल्पबहुत्व ---------- १२३
पंचमनोयोगी तथा पंचवचन योगी का अल्पबहुत्व ---------- १२३
काययोगी का्ल्पबहुत्व ---------- १२३
औदारिक काययोगी का ्ल्पबहतुव्---------- १२३
औदारिकमिश्र काययोगी का अल्पबहुत्व ---------- १२७

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

वैक्रियकायोगी का अल्पबहुत्व ---------- १२७
वैक्रियमिश्र-काययोगी का अल्बहुत्व ---------- १२७
आहारक-कायोयोगी का अल्पबहुत्व ---------- १२८
आहारकमिश्र-काययोगी का अल्पबहुत्व ---------- १२८
कार्मण काययोगी का अल्पबहुत्व ---------- १२९
सयोगी जीवों का अल्पबहुत्व ---------- १३०
योग स्थान का अल्पबहुत्व ---------- १३५
करण-कृति की अपेक्षा योगिक जीवों का परस्थान अल्पबहुत्व ---------- १३७
सयोगी जीवों का लोक-क्षेत्र में अवस्थान ---------- १३९
पंच मनोयोगी तथा पंच वचनयोगी का अवस्थान ---------- १३९
काययोगी का अवस्थान---------- १४०
औदारिक काययोगी का अवस्थान ---------- १४१
औदारिकमिश्र काययोगी का अवस्थान ---------- १४२
वैक्रिय काययोगी का अवस्थान ---------- १४४
वैक्रियमिश्र काययोगी का अवस्थान ---------- १४५
आहारककाययोगी तथा आहारकमिश्र काययोगी का अवस्थान ---------- १४६
कार्मण काययोगी का अवस्थान ---------- १४६
सयोगी जीवों की क्षेत्र-स्पर्शना ---------- १४७
पंचमनोयोगी तथा पंचवचनयोगी की क्षेत्र स्पर्शना ---------- १४७
काययोगी की क्षेत्र स्पर्शना ---------- १५०
औदारिक काययोगी की क्षेत्र स्पर्शना ---------- १५१
औदारिकमिश्र काययोगी की क्षेत्र स्पर्शना ---------- १५५
वैक्रिय काययोगी की क्षेत्र स्पर्शना ---------- १५८
वैक्रियमिश्र काययोगी की क्षेत्र स्पर्शना ---------- १६०
आहारक काययोगी तथा आहारकमिश्र काययोगी की क्षेत्र स्पर्शना ---------- १६१
कार्मण काययोगी की क्षेत्र स्पर्शना ---------- १६२
सयोगी जीव का क्षेत्र स्पर्श ---------- १६४
मनोयोगी और वचनयोगी का क्षेत्र स्पर्श ---------- १६४
काययोगी का क्षेत्र स्पर्श ---------- १६६
औदारिकमिश्र काययोगी का क्षेत्र स्पर्श ---------- १६६
औदारिक काययोगी का क्षेत्र स्पर्श ---------- १६७
वैक्रिय काययोगी का क्षेत्र स्पर्श ---------- १६८
वैक्रियमिश्र काययोगी का क्षेत्र स्पर्श ---------- १७०
आहारक काययोगी का क्षेत्र स्पर्श ---------- १७१
आहारकमिश्र काययोगी का क्षेत्र स्पर्श ---------- १७२

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

कार्मण काययोगी का क्षेत्र स्पर्श ---------- १७३
सयोगी जीव कितने क्षेत्र में ---------- १७३
मनोयोगी और वचनयोगी कितने क्षेत्र में ---------- १७३
काययोगी कितने क्षेत्र में ---------- १७४
औदारिकमिश्र काययोगी कितने क्षेत्र में ---------- १७४
औदारिक काययोगी कितने क्षेत्र में ---------- १७५
वैक्रिय काययोगी कितने क्षेत्र में ---------- १७६
वैक्रियमिश्र काययोगी कितने क्षेत्र में ---------- १७७
आहारक काययोगी कितने क्षेत्र में ---------- १७८
आहारकमिश्र काययोगी कितने क्षेत्र में ---------- १७९
कार्मण काययोगी कितने क्षेत्र में ---------- १७९
सयोगी जीवों की कालस्थिति ---------- १८०
पंच मनोयोगी-पंचन वचनयोगी की कालस्थिति ---------- १८०
काययोगी जीवों की कालस्थिति ---------- १८७
औदारिक काययोगी जीवों की कालस्थिति ---------- १८९
औदारिकमिश्र काययोगी जीवों की कालस्थिति ---------- १९०
वैक्रिय काययोगी जीवों की कालस्थिति ---------- १९७
वैक्रियमिश्र काययोगी जीवों की कालस्थिति ---------- १९९
आहारक काययोगी जीवों की कालस्थिति ---------- १९९
आहारक काययोगी जीवों की कालस्थिति ---------- २०३
आहारक काययोगी जीवों की कालस्थिति ---------- २०५
कार्मण काययोगी जीवों की कालस्थिति---------- २०७
योग की स्थिति ---------- २१०
योग की कालस्थिति ----------२११
औदारिक काययोग की कालस्थिति ----------२११
औदारिकमिश्र काययोग की कालस्थिति ----------२११
कार्मण काययोग की कालस्थिति ----------२११
सयोगिजीव की सयोगीत्व की अपेक्षा स्थिति ----------२११
मनोयोगी और वचनयोगी की कालस्थिति ----------२११
काययोगी की कालस्थिति ----------२११
औदारिक काययोगी की कालस्थिति ----------२११
औदारिकमिश्र काययोगी की कालस्थिति ----------२११
वैक्रिय काययोगी की कालस्थिति ----------२११
कार्मण काययोगी की कालस्थिति ----------२११
वैक्रियमिश्र काययोगी की कालस्थिति ---------- २१२

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

आहारक काययोगी की कालस्थिति ---------- २१३
आहारकमिश्र काययोगी की कालस्थिति ---------- २१४
योगी और कालप्ररूपणा ---------- २१५
मनोयोगी और वचनयोगी की कालस्थिति ---------- २१५
काययोगी की कालस्थिति ---------- २१६
औदारिक काययोगी की कालस्थिति ---------- २१७
औदारिकमिश्र काययोगी की कालस्थिति ---------- २१८
वैक्रिय काययोगी की कालस्थिति ---------- २१८
आहारक काययोगी की कालस्थिति ---------- २१८
वैक्रियमिश्र काययोगी की कालस्थिति ---------- २१९
आहारक काययोगी की कालस्थिति ---------- २१९
वैक्रियमिश्र काययोगी की कालस्थिति ---------- २१९
आहारकमिश्र काययोगी की कालस्थिति ---------- २१९
कार्मण काययोगी की कालस्थिति ---------- २२०
काययोग की स्थिति ---------- २२१
औदारिककाययोग की स्थिति ---------- २२१
औदारिकमिश्रकाययोग की स्थिति ---------- २२१
कार्मणकाययोग की स्थिति ---------- २२१
काययोग की स्थिति ---------- २२१
अयोगी जीव में ---------- २२१
कालानुगमती से संचित योगों जीवों की कालस्थिति ---------- २२२
करणकृति अनुगम में कालानुगम से संचित जीव की कृतिरूपस्थिति ---------- २२३
योग की स्थिति ---------- २२६
सयोगी जीव का सयोगी की अपेक्षा अन्तरकाल ---------- २२६
पंचमनोयोगी तथा पंच वचन योगी में काल का अंतर ---------- २२६
काययोगी में काल का अंतर ---------- २२६
औदारिक काययोगी में काल का अंतर ---------- २२६
औदारिकमिश्र काययोगी में काल का अंतर ---------- २२८
वैक्रिय काययोगी में काल का अंतर ---------- २२९
कार्मण काययोगी में काल का अंतर ---------- २२९
मनोयोगी और वचनयोगी का अन्तरकाल ---------- २३०
काययोगी का अन्तरकाल ---------- २३०
औदारिक काययोगी का अन्तरकाल---------- २३०
औदारिकमिश्र काययोगी का अन्तरकाल ---------- २३०
वैक्रिय काययोगी का अन्तरकाल ---------- २३०

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

कार्मण काययोगी का अन्तरकाल ---------- २३०
वैक्रियमिश्र काययोगी का काल का अन्तर ---------- २३०
वैक्रियमिश्र काययोगी का अन्तरकाल ---------- २३१
आहारककाययोगी का काल का अन्तर ---------- २३२
आहारक काययोगी का अन्तरकाल ---------- २३२
आहारकमिश्र काययोगी का अन्तरकाल ---------- २३२
योग का अन्तरकाल ---------- २३३
अंतरानुगम से संचित योगी जीवों का अन्तरकाल ---------- २३४
सयोगीजीव और भाव ---------- २३५
पंच मनोयोगी तता पंच वचनयोगी का भाव ---------- २३५
काययोगी का भाव ---------- २३५
औदारिक काययोगी का भाव ---------- २३५
औदारिकमिश्र काययोगी का भाव ---------- २३५
वैक्रिय काययोगी का भाव ---------- २३६
वैक्रियमिश्र काययोगी का भाव ---------- २३६
आहारक काययोगी का भाव ---------- २३६
आहारकमिश्र काययोगी का भाव ---------- २३६
कार्मण काययोगी का भाव ---------- २३६
सयोगी और भाव ---------- २३७
भावानुगम से संचित योगी जीवों के भाव ---------- २३८
सयोगी जीव का भागाभाग ---------- २३८
मनोयोगी और वचनयोगी का भागाभाग ---------- २३८
वैक्रिय काययोगी का भागाभाग ---------- २३८
वैक्रियमिश्र काययोगी का भागाभाग ---------- २३८
आहारक काययोगी का भागाभाग ---------- २३८
आहारकमिश्र काययोगी का भागाभाग ---------- २३८
काययोगी का भागाभाग ---------- २३९
औदारिक काययोगी का भागाभाग ---------- २३९
औदारिकमिश्र काययोगी का भागाभाग ---------- २४०
कार्मण काययोगी का भागाभाग ---------- २४०
सयोगी जीवों के भागाभाग रूप द्रव्य प्रमाण ---------- २४०
सयोगी जीवों का द्रव्य (संख्या) प्रमाण ---------- २४५
पाँच मनोयोगी तथा तीन वचनयोगियों का द्रव्य प्रमाण ---------- २४५
वचनयोगी तथा असत्यमृषा (अनुभव) वचनयोगियों का द्रव्य प्रमाण ---------- २४८
मनोयोगी और वचनयोगी का द्रव्य प्रमाण ---------- २५२

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

वचनयोगी और असत्यमृषा वचनयोगी का द्रव्य प्रमाण---------- २५२
काययोगी तता औदारिक काययोगी का द्रव्य प्रमाण ---------- २५४
औदारिकमिश्र काययोगी का द्रव्य प्रमाण ---------- २५५
कार्मण काययोगी का द्रव्य प्रमाण ---------- २५७
काययोगी का द्रव्य प्रमाण ---------- २५८
औदारिक काययोगी तथा औदारिकमिश्र काययोगी का द्रव्य प्रमाण ---------- २५८
कार्मण काययोगी का द्रव्य प्रमाण ---------- २५८
काययोगी की जीव संख्या ---------- २६०
कार्मण काययोगी की संख्या ---------- २६०
औदारिकमिशअर काययोगी की संख्या ---------- २६०
औदारिक काययोगी की संख्या ---------- २६०
वैक्रियकाययोगी का द्रव्य प्रमाण ---------- २६०
वैक्रियमिश्र काययोगी का द्रव्य प्रमाण ---------- २६२
वैक्रिय काययोगी का द्रव्य प्रमाण ---------- २६३
वैक्रियमिश्र काययोगी का द्रव्य प्रमाण ---------- २६३
आहारक तथा आहारकमिश्र काययोगी का द्रव्य प्रमाण ---------- २६४
आहारक काययोगी का द्रव्य प्रमाण ---------- २६५
आहारकमिश्र काययोगी का द्रव्य प्रमाण ---------- २६५
योग और कर्म बंधन ---------- २६६
योगी और बंधकत्व ---------- २७०
आयुषकर्म के बंधन के समय जघन्य योग होता है ---------- २७१
योग और कृत-नोकृति, अवक्तव्यकृति ---------- २७२
प्रथम-अप्रथम अपेक्षा योगीजीव और कृति ---------- २७२
औदारिक काययोगी ---------- २७२
औदारिकमिश्र काययोगी ---------- २७२
कार्मण काययोगी ---------- २७२
चरम-अचरमानुगम की अपेक्षा योगी जव और कृति ---------- २७३
संचयानुगम में द्रव्यानुगम की अपेक्षा योगी-जीव और कृति ---------- २७३
संचयानुगम-सत्परुपणा की अपेक्षआ योगी जीव और कृति ---------- २७४
करणानुगम से संचित योगी जीवों में करणकृति ---------- २७४
करणकृति अनुगम में स्पर्शानुगम में क्षेत्रानुगम से कृतियुक्त संचित जीव ---------- २७६
अंतरानुगम से करण कृति की अपेक्षा योग ---------- २७७
भावानुगम से करण कृति की अपेक्षा योग ---------- २७९
करणानुगम में संचित योगी जीवों की संघतनादि कृति युक्त कितने क्षेत्र में अवस्थिति ---------- २८०
करणानुगम में सचित योगी जीवों की संघातनकृति आदि कृति करते हुए कितनी संख्या --------- २८१

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

उपपातयोग-परिणामयोग-एकान्तानुवृद्धियोग ---------- २८२
समय व संख्या की अपेक्षा सयोगी जीव की उत्पत्ति-मरण अवस्थिति ---------- २८६
नरक पृथ्वियों में ---------- २८६
देवावासों में ---------- २९३
सयोगी जीव और अल्पकर्मतर-बहुकर्मतर ---------- २९९
सयोगी जीव और अल्पऋद्धि-महाऋद्धि ---------- २९९
सयोगी क्षुद्रयुग्म जीव ---------- २९९
सयोगी क्षुद्रयुग्म नारकी का उपपात ---------- ३००
कृष्णलेशी क्षुद्रकृत युग्म प्रमाण राशि का योग रूप व्यापार से उपपात तथा परभव के आयुष्य का बंधन ---------- ३०१
क्षुद्रत्र्योज राशि प्रमाण कृष्ण लेशीवाले नारकी का उपात व परभव का आयुष्य बंध ---------- ३०२
कृष्णलेशी क्षुद्रद्वापर राशि प्रमाण नारकी व उपपात व परभव के आयुष्य का बंध ---------- ३०२
कृष्णलेशी क्षुद्रकल्योज राशि प्रमाण नारकी का उपपात तथा परभव के आयुष्य का बंधन ---------- ३०२
नीललेशी नारकी का उपपात तथा परभव के आयुष्य का बंध आत्मप्रयोग (जोग रुप व्यापार) से होता है ---------- ३०२
कापोतलेशी क्षुद्र कृत युग्म नारकी का उपपात आत्म... ---------- ३०३
क्षुद्रकृत युग्म राशि नारकी के योग से परभव का आयुष्य बंध ---------- ३०३
त्र्योज युग्म राशि नारकी के योग से परभव का आयुष्य बंध ---------- ३०३
द्वापर युग्म राशि नारकी के योग से परभव का आयुष्य बंध ---------- ३०३
काल्योज युग्म राशि नारकी के योग से परभव का आयुष्य बंध ---------- ३०३
कृष्मलेशी भवसिद्धिक क्षुद्रकृत युग्म नारकी के योग से परभव का आयुष्य बंध ---------- ३०४
कृष्णलेशी भवसिद्धिक त्र्योज नारकी के योग से परभव का आयुष्य बंध ---------- ३०४
कृष्णलेशी भवसिद्धिक द्वापर युग्म नारकी के योग से परभव का आयुष्य बंध ---------- ३०४
कृष्णलेशी भवसिद्धिक कल्योज नारकी के योग से परभव का आयुष्य बंध---------- ३०४
क्षुद्रयुग्मराशिप्रमामनीललेशी भवसिद्धिक नारकी क योग आदि से परभव का आयुष्य बंध --------- ३०४
त्र्योजयुग्मराशिप्रमाणनीललेशी भवसिद्धिक नारकी का योग आदि से परभव का आयुष्य बंध ------- ३०४
द्वापरयुग्मराशिप्रमाणनीललेशी भवसिद्धिक नारकी का योग आदि से परभव का आयुष्य बंध ------- ३०४
कल्योज युग्मराशिप्रमाणनीललेशी भवसिद्धिक नारकी का योग आदि से परभव का आयुष्य बंध --- ३०४
क्षुद्रयुग्म ादि कापोत लेशी भवसिद्धिक नारकी के योग आदि से परभव का आयुष्य बंध --------- ३०५
अभवसिद्धिक कृतयुग्म आदि चार युग्म के ायुष्यबंधन योग आदि से ---------- ३०५
सम्यग्दृष्टि कृतयुग्म आदि चार युग्म और सयोगी –आयुष्य बंध ---------- ३०५
मिथ्यादृष्टि कृतयुग्म आदि चार युग्म और सयोगी –आयुष्य बंध ---------- ३०५
कृष्णपाक्षिक कृतयुग्म आदि के आयुष्य बंध योग ादि से ---------- ३०५
शुक्लपाक्षिक कृतयुग्म आदि के आयुष्य बंध योग ादि से ---------- ३०५
सयोगी क्षुद्रयुग्म नारकी का उद्वर्तन ---------- ३०

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

सयोगी महायुग्म जीव ---------- ३०७
सयोगी महायुग्म एकेन्द्रिय जीव ---------- ३०७
सयोगी महायुग्म एकेन्द्रिय जीव ---------- ३०७
सयोगी महायुग्म द्वीन्द्रिय जीव ---------- ३०९
सयोगी महायुग्म त्रिन्द्रिय जीव---------- ३१०
सयोगी महायुग्मचतुरिन्द्रिय जीव ----------३११
सयोगी महायुग्म असंज्ञी पंचेन्द्रिय जीव ----------३११
सयोगी महायुग्म संज्ञी पंचेन्द्रिय ----------३११
सयोगी राशियुग्म जीव ---------- ३१५
सयोगी और कृतयुग्म-राशि ---------- ३१५
सयोगि राशि युग्म जीव ---------- १५
सयोगी जीव और पापकर्म आदि का करना ---------- ३२०
सयोगी जीव और पापकर्म आदि का करना ---------- ३२१
सयोगी जीव और पाप कर्मों का समर्जन-समाचरण ---------- ३२१
सयोगी नारकि आदि के दंडक के जीव और पापकर्मों का समर्जन-समाचरण ---------- ३२२
सयोगी जीव और ज्ञानावरणीय कर्म ादि अष्ट कर्म का समर्जन-समाचरण ---------- ३२३
सयोगी अनंतरोपन्नक नारकी और पापकर्म का समर्जन समाचरण ---------- ३२३
सयोगी अनंतरोपन्नक नारकी और ज्ञानावरणीय कर्म का बंध ---------- ३२३
सयोगी अनंतरोपन्नक नारकी और दर्शनावरणीय से अंतराय कर्म का बंध ---------- ३२३
सयोगी परंपरोपपन्नक नारकी और पापकर्म का समर्जन-समाचरण ---------- ३२४
सयोगी परंपरोपपन्नक नारकी और ज्ञानावरणीय से अंतरायकर्म का समर्जन समाचरण ---------- ३२४
सयोगी जीव औऱ कर्म प्रकृति का सत्ता-बंधन-उदय ---------- ३२४
जीव दंडक और समपद ---------- ३२५
प्रयोग कर्म ---------- ३२६
योग और समवदान कर्म ---------- ३२८
योग और ईर्यापथकर्म ---------- ३२८
अनाहारक जीवों के प्रयोगकर्म काल ---------- ३२८
सयोगी जीव और कर्म-बंधन ---------- ३२९
सयोगी जीव और कर्मबंधन ---------- ३३०
सयोगी नारकी और कर्म बंधन ---------- ३३०
सयोगी असुरकुमार यावत् स्तनितकुमार देव और कर्म बंधन ---------- ३३०
सयोगी पृथ्वीकायिक, सयोगी अप्कायिक, सयोगी अग्निकायिक और कर्मबंधन ---------- ३३१
सयोगी वायुकायिक, सयोगी वनस्पतिकायिक और कर्मबंधन ---------- ३३१
सयोगी द्वीन्द्रिय, त्रीन्द्रिय व सयोगी चतुरिन्द्रिय और कर्मबंधन ---------- ३३१
सयोगी तिर्यंच पंचेन्द्रिय योनिक जीव और कर्मबंधन ---------- ३३१

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

सयोगी मनुष्य और कर्मबंधन ---------- ३३१
सयोगी वाणव्यंतरदेव और कर्मबंधन---------- ३३१
सयोगी ज्योतिषीदेव और कर्मबंधन ---------- ३३१
सयोगी वैमानिक देव और कर्मबंधन ---------- ३३१
सयोगी जीव और ज्ञानावरणीय कर्म का बंधन ---------- ३३२
सयोगी जीव और दर्शनावरणीय कर्म का बंधन---------- ३३२
सयोगी जीव और वेदनीय कर्म का बंध----------३३२
सयोगी नारकी जीव यावत् वैमानिक देव के वेदनीय कर्मबंधन ---------- ३३३
सयोगी जीव और मोहनीय कर्म का बंध ---------- ३३३
सयोगी जीव और आयुष्य कर्म का बंध ---------- ३३३
सयोगी नारकी और आयुष्य कर्म का बंध---------- ३३४
सयोगी असुरकुमार यावत् स्निनतकुमारदेव और आयुष्य कर्म का बंध ---------- ३३४
सयोगी पृथ्वीकायिक जीव और आयुष्य बंध ---------- ३३४
सयोगी जीव और अप्कायिक जीवों के आयुष्य बंध ---------- ३३४
सयोगी जीव और अग्निकायिक व वायुकायिक जीवों के आयुष्य बंध ---------- ३३५
सयोगी द्वीन्द्रिय, त्रीन्द्रिय व चतुरिन्द्रिय जीव, तिर्यंच पंचेन्द्रिय और मनुष्य और आयुष्य बंध ---- ३३५
सयोगी ौधिक जीव दंडक और नाम कर्म का बंधन ---------- ३३५
सयोगी औधिक जीव दंडक और गोत्रकर्म-अंतरायकर्म का बंधन ---------- ३३५
सयोगी अनन्तरोपपन्नक नारकी और कर्म बंध ---------- ३३६
सयोगी अनंतरोपपन्नक पृथ्वीकायिक आदि एकेन्द्रिय जीव और पापकर्म का बंध ---------- ३३६
सयोगी अनंतरोपपन्नक द्वीन्द्रिय जीव आदि तथा पाप कर्म का बंध ---------- ३३६
सयोगी अनंतरोपपन्नक पंचेन्द्रिय तिर्यंच योनिक जीव तथा पापकर्मबंध ---------- ३३६
सयोगि अंतरोपपन्नक मनुष्य तथा पापकर्म का बंध ---------- ३३७
सयोगी अनंतरोपपन्नक वाणव्यंतर-ज्योतिषी-वैमानिक देव तथा पापकर्म का बंध ---------- ३३७
सयोगी अनन्तरोपपन्नक जीव दंडक और ज्ञानावरणीय आदि सात कर्म-बंधक (आयुष्य छोड़कर) ---------- ३३७
सोगी अनंतरोपपन्नक जीव दंडक और आयुष्य कर्म का बंधन ---------- ३३८
सयोगी परंपरोपपन्नक नारकी आदि दंडक और पापकर्म का वंध ---------- ३३८
सयोगी परंपरोपपन्नक ऩारकी आदि दंडक और ज्ञानावरणीय यावत् अंतराय कर्मबंध ---------- ३३८
सयोगी अनंतरावगाढ़ नारकी आदि दंडक और पापकर्म का बंध ---------- ३३९
सयोगी अनंतरावगाढ़ नारकी आदि दंडक और ज्ञानावरणीय यावत् अंतराय कर्म का बंध ---------- ३३९
सयोगी अनन्तराहारक नारकी आदि दंडक और पापकर्म का बंध ---------- ३४०
सयोगी अनन्तराहारक नारकी आदि दंडक और ज्ञानावरणीय कर्म यावत् अंतराय कर्म का बंध ---- ३४०
सयोगी परंपराहारक नारकी आदि और पापकर्म का बंध ---------- ३४०
सयोगी परंपराहारक नारकी आदि ज्ञानावरणीय यावत् अंतराय कर्म का बंध ---------- ३४०

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

सयोगी अनन्तर पर्याप्तक नारकी आदि दंडक और पापकर्म का बंध ---------- ३४०
सयोगी अनन्तर पर्याप्त नारकी आदि दंडक ज्ञानावरणीय यावत् अंतराय कर्म का बंध ---------- ३४०
सयोगी परम्परपर्याप्तक नारकी आदि और पापकर्म का बंध ---------- ३४१
सयोगी परम्परपर्याप्तक नारकी आदि और ज्ञानावरणीय यावत् अंतराय कर्म बंध ---------- ३४१
सयोगी चरम नारकी आदि तथा पापकर्म का बंध ---------- ३४१
सयोगी चरम नारकी आदि तथा ज्ञानावरणीय यावत् अंतराय कर्म का बंध ---------- ३४१
सयोगी चरम नारकी आदि और पापकर्म का बंध ---------- ३४२
सयोगी अचरम मनुष्य और पापकर्म का बंध ---------- ३४२
दसयोगी अचरम वाणव्यंतर ततथा और पापकर्म का बंध ---------- ३४२
सयोगी अचरम ज्योतिषी देव और पापकर्म का बंध ---------- ३४२
सयोगी अचरम वैमानिक देव और पापकर्म का बंध ---------- ३४२
सयोगी अचरम नारकी यावत् वैमानिकदेव (मनुष्य बाद देकर) तथा ज्ञानावरणीय कर्म का बंध ---- ३४३
सयोगी अचरम नारकी यावत् वैमानिकदेव तथा दर्शनावरणीय कर्म का बंध ---------- ३४३
सयोगी अचरम नारकी यावत् वैमानिकदेव तथा वेदनीय कर्म का बंध ---------- ३४३
सयोगी अचरम मनुष्य तथा ज्ञानावरणीय कर्मबंध ---------- ३४३
सयोगी अचरम मनुष्य तथा दर्शनावरणीय कर्म बंध ---------- ३४३
सयोगी अचरम मनुष्य तथा वेदनीय कर्म बंध ---------- ३४३
सयोगी अचरम नारकी आदि और मोहनीय कर्म का बंध ---------- ३४४
सयोगी अचरम नारकी व आयुष्य कर्म बंधन ---------- ३४४
सयोगी भवनपतिदेव व आयुष्य बंध ---------- ३४४
सयोगी असुरकुमार यावत् स्निितकुमार भवनपतिदेव व आयुष्य बंध ---------- ३४४
सयोगी-काययोगी अचरम पृथ्वीकायिक और आयुष्य बंध ---------- ३४४
सयोगी काययोगी अचरम अप्कायिक और आयुष्य बंध ---------- ३४५
सयोगी काययोगी अचरम वनस्पतिकायिक और आयुष्य बंध ---------- ३४५
सयोगी अचरम अग्निकायिक और आयुष्य बंध ---------- ३४५
सयोगी अचरम वायुकायिक और आयुष्य बंध ---------- ३४५
सयोगी अचरम द्वीन्द्रिय यावत् चतुरिन्द्रिय और आयुष्य बंध ---------- ३४५
सयोगी अचरम तिर्यंच पंचेन्द्रिय और आयुष्य बंध ---------- ३४५
सयोगी अचरम मनुष्य और आयुष्य बंध ---------- ३४५
सयोगी अचरम वाणव्यंतरदेव व आयुष्य बंध ---------- ३४६
सयोगी अचरम ज्योतिषई व वैमानिकदेव और आयुष्य बंध ---------- ३४६
सयोगी अचरम नारकी तथा नामकर्म बंध ---------- ३४६
सयोगी अचरम नारकी तथा गोत्रकर्म बंध ---------- ३४६
सयोगी अचरम नारकी तथा अंतरायकर्म बंध ---------- ३४६
सयोगी अचरम असुरकुमार यावत् वैमानिकदेव और नामकर्म गोत्र अंतराय कर्म का बंध ---------- ३४६

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

कार्मणकायोगी जीव आयुष्य नहीं बाँधता है ---------- ३४६
आहारकमिश्रकाययोगी जीव आयुष्य नहीं बाँधता ---------- ३४६
योग और कर्म बंध ---------- ३४७
औदारिकमिश्रकायोगी जीव और कर्म बंध ---------- ३४७
वैक्रियमिश्रकाययोगी जीव आयुष्य नहीं बांधता ---------- ३४७
योग और बंध ---------- ३४७
वेदनीयकर्मबंध का बंधन तथा योग लेश्या ---------- ३४८
योग और लेश्या ---------- ३४९
योगस्थान औऱ प्रकृति बंध और प्रदेश बंध ---------- ३४९
योग और बंधक-अबंधक ---------- ३४९
परिशिष्ट
अध्ययन, गाथा, सूत्र आदि की संकेत सूची ---------- ३५०
संकलन-सम्पादन अनुसंधान में प्रमुख ग्रन्थों की सूची ---------- ३५०
लेश्या कोश पर विद्वानों की सम्मति ---------- ३५२
क्रिया कोश पर प्राप्त समीक्षा ---------- ३५३
मिथ्यात्वी का आध्यात्मिक विकास पर अभिमत ---------- ३५४
वर्धमान जीवनकोश, प्रथम खण्ड पर प्राप्त समीक्षा---------- ३५७
वर्धमान जीवनकोश, द्वितीय खण्ड पर प्राप्त समीक्षा ---------- ३५७
वर्धमान जीवन कोश, तृतीय खण्ड पर प्राप्त समीक्षा ---------- ३५८
योगकोश प्रथम खण्ड पर प्राप्त समीक्षा ---------- ३५९
योगकोश पर प्राप्त समीक्षा ---------- ३६०

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org